भाकृअनुप – केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान

श्री गंगानगर राजमार्ग, बीछवाल, बीकानेर-334 006 (राज)

ICAR-CENTRAL INSTITUTE FOR ARID HORTICULTURE

Sri Ganganagar Highway, Beechwal-BIKANER-334 006

"संतुलित उर्वरकों का उपयोग पर राष्ट्रव्यापी अभियान"

Dated 15.05.2026

आज दिनाक 15.05.2026 भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा चलाए जा रहे फसलों पर "संतुलित उर्वरकों का उपयोग" पर राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर द्वारा एमजीएमजी गाँवों जैसे अकासर, कोलासर, बच्छासर में किसान कार्यक्रम रखे जिनमे **"संतुलित उर्वरकों का उपयोग** किसान संघोष्ठी, परिचर्चा, जागरूकता आदि शामिल है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य एकीकृत पौष्टिक प्रबंधन द्वारा मिट्टी की उर्वरता और उत्पादकता बनाए रखने, जैविक और अजैविक स्रोतों का सही समावेश पर ज़ोर, वैकल्पिक पोषक तत्व द्वारा उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के लिए जैविक उर्वरक और अन्य गैर-रासायनिक पोषक स्रोतों के उपयोग, मिट्टी की सेहत और परीक्षण के तहत संतुलित उर्वरक देने से और लागत-प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए मिट्टी परीक्षण-आधारित उर्वरक उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

डॉ. एस.आर. मीना, प्रधान वैज्ञानिक, ने इस अभियान के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुये संतुलित खाद एवं उर्वरकों का फसलों मे उपयोग, एकीकृत पौष्टिक प्रबंधन द्वारा मिट्टी की उर्वरता और उत्पादकता बनाए रखने, जैविक और अजैविक स्रोतों का सही समावेश पर विस्तार से चर्चा की। उन्होने बागवानी फसलों की उन्नत किस्मों के महत्व एवं सही पोषण व्यवस्था पर जागरूक होने पर ज़ोर दिया।

इस अवसर पर, श्री रूपचंद बलाई, वैज्ञानिक ने जैव उर्वरकों और वैकल्पिक पोषक स्रोतों के महत्व पर जोर दिया, और समय और उपलब्ध संसाधनों के कुशल उपयोग में उनकी भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने किसानों को विभिन्न फसलों में जैव-उर्वरक उपयोग करने की सलाह दी ताकि उर्वरकों की बचत हो और मिट्टी की उर्वरता बढ़े।

इस अवसर पर डॉ. हनुमान राम, वैज्ञानिक (सब्जी विज्ञान) ने किसानों को राजस्थान के शुष्क क्षेत्रीय जलवायु के लिए विकसित उन्नत सब्जी किस्मों के बारे में विस्तार से चर्चा की एवं सब्जी फसलों में संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन द्वारा उत्पादन बढ़ाने के गुर सिखाए।

डॉ. मनप्रीत कौर ने किसानों को विभिन्न पोषक तत्व दक्षता एवं बागवानी फसलों की खेती की लागत और शुष्क बागवानी फसलों के संतुलित उर्वरकों के मूल्यांकन के बारे में जानकारी दी, जिसमें विपणन, मूल्य संवर्धन और आपूर्ति श्रृंखलाओं के संबंध में विस्तार से बताया।